महाविद्यालय समाचार दर्शन

अंक- २१ जनवरी २०२१ से मार्च २०२१

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ एवं विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन

प्रमुख सुर्खियाँ

- ♣ आजादी का अमृत महोत्सव
- ♣ रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण
- ♣ भारत की पवित्र नदियों का परिचय
- ♣ सुभाष चंद्र बोस की 125 वी जयंती
- ♣ ऑनलाईन बेवीनार का आयोजन
- ♣ महात्मागॉधी की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम
- ♣ आपदा प्रबंधन, रेल दुर्घटना
- ♣ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश
- ♣ एक भारत श्रेष्ठ भारत

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) रश्मि श्रीवास्तव
गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

संपादक मण्डल
डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. अरुण सिकरवार

मुद्रण एवं ग्राफिक्स
जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश कुमार यादव एवं मनोज कुमार सिसोदिया

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)

प्राचार्य की कलम से.....

महाविद्यालय समाचार दर्शन के उन्नतीसवें अंक के प्रकाशन पर अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रही हूँ। माह जनवरी से मार्च 2021 के मध्य छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं नैतिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु महाविद्यालय में सतत् शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। महाविद्यालय में कार्यरत विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठ एवं विभागों की महाविद्यालय में सचालित गतिविधियों में अहम भूमिका रही है।

महाविद्यालय का वातावरण एवं महाविद्यालयीन परिवार का सहयोग छात्राओं के भविष्य निर्माण में नीव का पत्थर सिद्ध होगा। मैं इस अंक के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन

प्राचार्य एवं संरक्षक

संपादकीय .....

महाविद्यालय 'समाचार दर्शन' का नवीन अंक आपके सामने प्रस्तुत है। 'समाचार दर्शन' के पूर्व में प्रकाशित अंकों में आपकी सराहना से हम हर्षित है। आपकी

प्रेरणा से प्रेरित हो नवीन अंक को ओर अधिक बेहतर बनाने हेतु प्रेरित है महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रथम टेस्ट एवं विश्वविद्यालयीन सेमेस्टर परीक्षाओं के माध्यम से अपनी योग्यता एवं गुणवत्ता का लोहा मनबाया है। शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर उपलब्धियों के मान से यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा है। जिन छात्राओं ने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। उन्हें शुभकामनाएँ।

रोजगारोन्मुखी विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 04.01.2021 को विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन एवं विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्रथम वर्ष की छात्राओं लिए रोजगारोन्मुखी विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी विषय पर ऑनलाईन व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि इस प्रकार के व्याख्यान युवा वर्ग को ऐसा हुनर प्रदान करते है जिससे वह स्वयं का रोजगार स्थापित कर सके। उन्होने रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम की सूची प्रदान कराने को कहा साथ ही उत्पादित वस्तुओं के मार्केटिंग के लिए उपाय पूछे।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि जनवरी माह के प्रत्येक सप्ताह में छात्राओं हेतु उपयोगी विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यानों का आयोजन किया जायेगा।

छात्राओं को रोजगारोन्मुखी विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों की दी जानकारी

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्री शैलेष मालवीय ने अपने उद्बोधन रोजगार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी उन्होने बताया कि राज्य शासन एवं केन्द्र शासन द्वारा विभिन्न प्रकार के कौशल विकास उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम व रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण – उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते है जैसे – मेपकॉन, नेशनल वेकवर्ड क्लास फाईनेंस एण्ड कार्पोरेशन, नेशनल विकलांग फाईनेंस एण्ड कार्पोरेशन, कौशल सहउद्यमिता कार्यक्रम, नेशनल सफाई कर्मचारी फाईनेंस एण्ड कार्पोरेशन आदि अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है कि सभी युवा वर्ग को इस प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाये जिससे वे या तो स्वयं का रोजगार स्थापित कर सके या किसी संस्था में अपनी सेवाएँ दे सके। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होता है एवं प्रमाणपत्र और प्रशिक्षण वृत्ति भी प्रदान की जाती है। मालवीय जी द्वारा वर्तमान समय में कुछ लाभदायक प्रशिक्षणों की जानकारी दी जैसे – खाद्य परिरक्षण प्रशिक्षण, पिकल मेंकिंग, सिलाई मशीन प्रशिक्षण, डाटा एण्ट्री ऑपरेटर, जिनके माध्यम से छात्राएँ कम लागत में स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकती है। होशंगाबाद में केन्द्र शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कौशरल विकास केन्द्र संचालित है जहॉ पर 60 से 90 प्रकार के निःशुल्क रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिये जाते है।

साक्षात्कार की तैयारी शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में ''साक्षात्कार की तैयारी'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि साक्षात्कार कि तैयारी में संबंधित पद के कार्यो, समसामायिक विषयों की जानकारी एवं वेस–भूषा अत्यंत महत्वपूर्ण है, यह हमारे व्यक्तित्व को निखारती है प्रथम प्रभाव ही साक्षात्कार में महत्वपूर्ण होता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ चंद्रशेखर राज ने साक्षात्कार विषय पर विस्तार से बताते हुए उसके विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया उन्होंने बताया कि साक्षात्कार के माध्यम से हम कुल अंक बढ़ा सकते है। कार्यक्रम के बोध वाक्य ''जो व्यक्ति एक स्कूल खोलता है वह

संसार का एक जेल खाना बंद कर देता है'' की विवेचना करते हुए डॉ. मीना शुक्ला ने कहा कि शिक्षा से ही मानवीय गुणों का विकास होता है जो अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाता है।

समिति की संयोजक एवं गूगल मीट का सफल संचालन कर रही डॉ आर बी शाह ने कहा कि लोगो के बोलने का तरीका एवं भाषा शैली उनके व्यक्तित्व को दर्शाती है।

आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ ज्योति जुनगरे ने कहा कि आज के समय मे साक्षात्कार अत्यंत महत्व पूर्ण विषय है क्योंकि शासकीय एवं अशासकीय नौरकियों में साक्षात्कार एक महत्पूर्ण पढ़ाव होता है।

साक्षात्कार की तैयारी शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में ''साक्षात्कार की तैयारी'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि साक्षात्कार कि तैयारी में संबंधित पद के कार्यो, समसामायिक विषयों की जानकारी एवं वेस–भूषा अत्यंत महत्वपूर्ण है, यह हमारे व्यक्तित्व को निखारती है प्रथम प्रभाव ही साक्षात्कार में महत्वपूर्ण होता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ चंद्रशेखर राज ने साक्षात्कार विषय पर विस्तार से बताते हुए उसके विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया उन्होंने बताया कि साक्षात्कार के माध्यम से हम कुल अंक बढ़ा सकते है। कार्यक्रम के बोध वाक्य ''जो व्यक्ति एक स्कूल खोलता है वह संसार का एक जेल खाना बंद कर देता है'' की विवेचना करते हुए डॉ. मीना शुक्ला ने कहा कि शिक्षा से ही मानवीय गुणों का विकास होता है जो अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। समिति की संयोजक एवं गूगल मीट का सफल संचालन कर रही डॉ आर बी शाह ने कहा कि लोगो के बोलने का तरीका एवं भाषा शैली उनके व्यक्तित्व को दर्शाती है। आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ ज्योति जुनगरे ने कहा कि आज के समय मे साक्षात्कार अत्यंत महत्व पूर्ण विषय है क्योंकि शासकीय एवं अशासकीय नौरकियों में साक्षात्कार एक महत्पूर्ण पढ़ाव होता है।

भारत की पवित्र नदियों का परिचय गृह विज्ञान शासकीय गृह विज्ञान अग्रणी स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 11.01.2021 को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए भारत की पवित्र नदियों का परिचय विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजन किया गया कार्यक्रम के

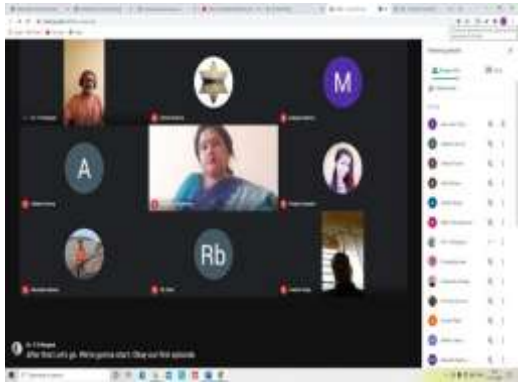

प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि नदिया हमारे लिए देवी स्वरूप होती हैं। सभी स्थानीय समुदाय के लिए निकट नदियां हैं उनके लिए पूजनीय होती है सभी नदियों का अपना एक साहित्यिक महत्व होता है। कार्यक्रम की संयोजक डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने पवित्र नदियों का महत्व बताया। मुख्य वक्ता डॉ यशवंत निंगवाल ने भारत की पवित्र नदियों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भारत की प्रमुख नदियां गंगा यमुना सरस्वती कावेरी गोदावरी तथा बृहस्पति है इनमें पांच नदियां का नाम स्त्रीलिंग है केवल एक नाम बृहस्पति पुल्लिंग है गंगा नदी को भारतीय पौराणिक साहित्य में प्रधान पवित्र नदी माना जाता है इसकी दो मुख्यधारा है भागीरथी और अलकनंदा। गंगा के तट पर बसे

वाराणसी हरिद्वार ऋषिकेश का भी बहुत अधिक महत्व है। जहां पर कुंभ मेला गंगा दशहरा आदि अनेक पर्व मनाए जाते हैं। यमुना नदी को भगवान कृष्ण की संगिनी के रूप में पहचाना जाता है, उन्होंने त्रिवेणी संगम के महत्व को विस्तार से समझाया गोदावरी की सात धारा ऋषियों के नाम पर रखी गई है तथा इनका अपना पौराणिक महत्व है। प्राचीन भारतीय इतिहास में गंगा के पूर्व सिंधु नदी का विवरण है जहां पर हड़प्पा और मोहनजोदड़ो सभ्यता का होना बताया गया है। नर्मदा जीवनदायिनी है इसका उद्गम स्थल अमरकंटक है यही एक कुंवारी नदी के रूप में प्रचलित है तथा इसके दर्शन मात्र से मानव के पाप धुल जाते हैं सभी नदियों की अपनी संस्कृति एवं साहित्यिक महत्व तथा हर नदी की अपनी पौराणिक कथाएं है।

डॉ. निंगवाल ने बोध वाक्य **"आलसी और अकर्मण्य मनुष्य के सौ वर्ष के जीवन की तुलना में दृढ़ता पूर्वक उद्योग करने वालों का एक दिन का जीवन श्रेष्ठ है"** महात्मा बुद्ध के इस बोध वाक्य को छात्राओं को उदाहरण देकर विस्तार पूर्वक समझाया।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. आशीष सिंह ने किया एवं कार्यक्रम के अंतिम चरण में श्री रफीक अली द्वारा सभी वक्ताओं सदस्यों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया।

सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के शिक्षक अभिभावक कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त तृतीय वर्ष की छात्राओं हेतु ऑनलाइन सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन को गूगल मीट के माध्यम से किया गया कार्यक्रम का प्रारंभ स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार संयोजक एवं हिंदी विभाग की प्राध्यापक डॉ श्रुति गोखले ने किया।

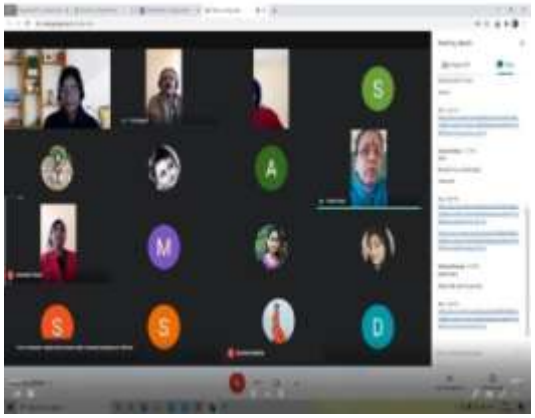

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ किरण पगारे ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि क्विज के माध्यम से छात्राओं की उत्तर देने की क्षमता का विकास होता है। आज की इस विषम परिस्थिति में हम सभी को आधुनिक संसाधनों का उपयोग करना आना चाहिए। जिससे जोड़कर हम अपने सामान्य कार्य के साथ विशेष कार्यों को भी आसानी से कर सकते हैं उन्होंने कहा की स्नातक परीक्षा के बाद आप सभी को प्रतियोगिता परीक्षाओं में भाग लेना होगा तो इस प्रकार की ऑनलाइन प्रतियोगिता आप सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यक्रम में सुभाषितानि के माध्यम से संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉ. यशवंत निंगवाल ने छात्राओं को निरंतर ज्ञान अर्जित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन कु. चारू तिवारी ने किया कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग डॉ निशा रिछारिया के द्वारा किया गया।

कोरोनाकाल की सीख शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 18.01.2021 को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शिक्षक अभिभावक योजना में स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्राओं हेतु कोरोनाकाल की सीख विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि आज दुनिया जब कोरोनावायरस से जूझ रही है और हजारों लोग इस जंग में जान गवां चुके हैं। तब मुझे सबसे पहले हेल्थ इज वेल्थ कहावत याद आ रही है। यह समय व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बदलती वफादारिओं और मजबूत होते रिश्तों का गवाह होगा। एक अदने से जीव ने प्रकृति के सम्मुख हमें हमारी लघुता का बोध करा कर सबसे बड़ी सीख दी है।

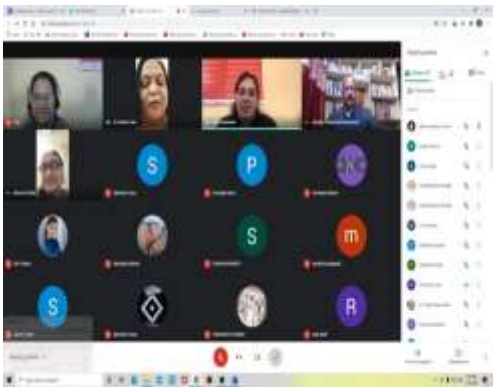

कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर श्री पंकज चतुर्वेदी जी जो पिछले एक दशक से मोटिवेशन के क्षेत्र में अलग–अलग विद्यालयों और महाविद्यालयों में युवाओं से प्रेरणा संवाद करते हैं तथा कॉरपोरेट कंपनीज में मोटिवेशन के सेमिनार करते हैं। उन्होने कहा कि कोरोनाकाल ने हमें सिखाया की इलेक्ट्रॉनिक गजट का सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने अपने ओजस्वी उद्‌बोधन में कहा कि असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी है तथा मानव से महामानव निरंतर प्रयास से ही बना जा सकता है।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मीना शुक्ला ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए अपने विचार दो पंक्तियों के माध्यम से प्रस्तुत किए।

आने दो तूफान आने दो क्या ले जाएंगे।
मैं तो तब डरता कि मेरा हौसला ले जाएंगे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रागिनी सिकरवार ने किया कार्यक्रम में बहुत अधिक संख्या में छात्राएं एवं शिक्षक अभिभावक समिति के सदस्य डॉ. आर बी शाह, डॉ. राम बाबू मेहर डॉ विजया देवासकर, डॉ. मनीषा तिवारी, डॉ. कीर्ति दीक्षित, श्रीमती नीलम चौधरी, श्रीमती नीता सोलंकी शामिल थी कार्यक्रम के अंत में श्रीमती आभा वाधवा ने आभार प्रदर्शन किया।

125 वी जयंती वर्ष को पराक्रम दिवस नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अद्‌मय भावना और राष्ट्र के लिए उनके निस्वार्थ सेवा के सम्मान में और उनको याद रखने के लिए उनकी **125 वी जयंती वर्ष को पराक्रम दिवस** के रूप में शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में एनएसएस के तत्वाधान में मनाया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर प्रकाश डालते हुए एवं स्वयं सेवकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सुभाष चंद्र बोस एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने तुम मुझे खून दो, मै तुम्हे आजादी दूँगा जैस नारे से देश भक्ति की भावना जागृत की।

एनएसएस इकाई एक एवं दो कि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे एवं डॉ.हर्षा चचाने ने स्वयं सेविकाओं को सदैव राष्ट्र के प्रति समर्पित रहकर सुभाष चंद्र बोस के विचारों को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया इस अवसर पर स्वयं सेविकाओं ने अपने विचारों को व्यक्त किया एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम यशिका गुप्ता द्वितीय अंजलि गोस्वामी एवं तृतीय रीतिका चौहान रही।

11 वॉ राष्ट्रीय मतदाता दिवस शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में मनाया गया इस अवसर पर प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन द्वारा छात्राओं को मतदान दिवस की शपथ दिलाई गई। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य लोगों को मतदान एवं वोटर के रूप में उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है।

इस अवसर पर हिंदी विभाग की प्रमुख डॉ पुष्पा दुबे ने कहा कि किसी भी मतदाता को धर्म जाति के आधार पर मतदान से वंचित नहीं किया जा सकता। यह उनका अधिकार है एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ ज्योति जुनगरे एवं डॉ. हर्षा चचाने ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम मतदाताओं को सशक्त सचेत सुरक्षित जागरूक बनाना है पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग कि विभाग प्रमुख डॉ अमिता जोशी ने नए मतदाताओं को वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने हेतु प्रेरित किया राष्ट्रीय मतदाता दिवस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राएं व डॉ श्रीकांत दुबे, डॉ रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. विनीत अग्रवाल, किरण विश्वकर्मा श्री रघुवीर राजपूत उपस्थित रहे।

गॉधी जी की पुण्यतिथि पर मध्य निषेध संकल्प दिवस शपथ दिलाई – डॉ. जैन

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में एन.एस.एस., एन.सी.सी, क्रीड़ा एवं योग विभाग के तत्वाधान में महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर विभिन्न कार्यक्रमों संगोष्ठी, रैली, निबंध, पोस्टर, भाषण का आयोजन किया गया एवं मादक दृव्यों व मदिरापान त्यागने हेतु शपथ पत्र व संकल्प पत्र भरवाए गये। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन द्वारा महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं समस्त

महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर संगीत विभाग के श्री प्रेमकांत कटंगकार एवं श्री रामसेवक शर्मा के निर्देशन में संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा गांधी जी के भजन वैष्णव जन एवं रघुपति राघव की प्रस्तुति दी गई।

प्राचार्य द्वारा गांधी दर्शन पर चलने हेतु छात्राओं को प्रेरित कर उनके विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा महाविद्यालय के मुख्य द्वार से नारे लगाते हुए गांधी चौक एवं मुख्य बाजार से महाविद्यालय तक रैली निकाली गई।

इस अवसर पर एन.एस.एस. अधिकारी डॉ ज्योति जुनगरे, डॉ हर्षा चचाने एवं डॉ. संगीता पारे (एन.सी.सी.अधिकारी) ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि गांधी दर्शन एवं विचारों को आत्मसात करके ही हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं। हमें हमेशा सत्य और अहिंसा के पथ पर चलना चाहिए।

आपदा प्रबंधन समिति द्वारा रेल दुर्घटना विषय पर गूगल मीट

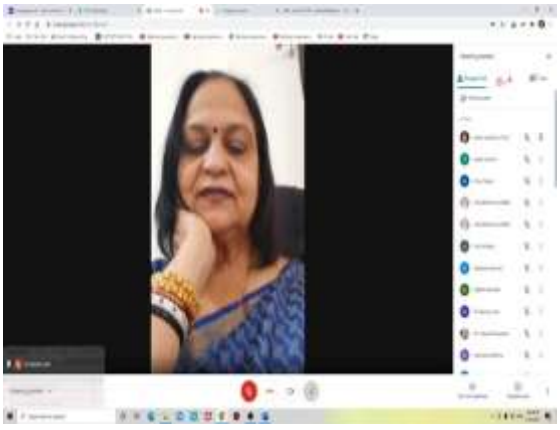

आज दिनांक 30 जनवरी 2021 को शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आपदा प्रबंधन समिति द्वारा रेल दुर्घटना विषय पर गूगल मीट का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता श्री धनंजय वर्मा मुख्य वाणिज्यिक नियंत्रक पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल रहे एवं 80 छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य श्रीमती कामिनी जैन ने किया एवं अपने

उद्बोधन में कहा कि भारत का रेल तंत्र दुनिया के सबसे बड़े तंत्रों में से एक है। भारतीय रेलगाड़ियों में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग यात्रा करते हैं। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रतिवर्ष 300 छोटी बड़ी रेल दुर्घटनाएं होती है। माल ढुलाई एवं यात्रियों की संख्या में हुई भारी बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए देश के ट्रैक नेटवर्क का तत्काल बड़े पैमाने पर पुनरुद्धार किए जाने की जरूरत है। कार्यक्रम के

संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने बताया कि ट्रेन दुर्घटना एक प्रकार की आपदा है । जिसमें एक या अधिक ट्रेने शामिल होती है भारत में अधिकांश ट्रेन दुर्घटना पटरियों के क्षतिग्रस्त होने और अत्यधिक भीड़ के कारण ट्रेनों के पटरियों से उतरने के कारण होती है। कुछ ट्रेनों के गुजरने के बाद रेल लाइन की दरारें फ्रेक्चर में बदल जाती है। जिसके कारण ट्रेनें पटरी से उतर जाती है और इससे जनमानस को भारी नुकसान होता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री धनंजय वर्मा मुख्य वाणिज्यिक नियंत्रक पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल ने अपने व्याख्यान के दौरान बताया कि भारत जैसे आबादी वाले देश में अधिकतर लोग दूर के सफर के लिए ट्रेन का ही इस्तेमाल कहते हैं। भारतीय रेलवे एक राज्य स्वामित्व वाली राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर है। जो भारत में रेल परिवहन प्रदान करती है। उन्होंने भारत में होने वाली ट्रेन दुर्घटनाओं उल्लेख करते हुए उन्होने बचाव कैसे किया जाना चाहिए यह बताया। रेल कोच और रेल लाइनों की तकनीकी जांच रेल पटरियों की जांच के लिए अल्ट्रा सोनिक तकनीक इस्तेमाल नई ट्रेनों के चलाने के लिए, लाइन क्षमता और संरक्षा पहलुओं की जांच। ट्रेनों में एल.एच.वी. तकनीक वाले खोज बढ़ाना आई.सी.एफ. में निर्मित परंपरागत कोच मैं सेंटर बफिंग कपलर लगाकर दुर्घटनाओं को रोकना आदि है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना शासकीय गृह विज्ञान स्नात्कोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में केंद्र शासन की ''एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना'' एवं ''स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना'' के संयुक्त तत्वावधान मे मणिपुर राज्य की कला एवं संस्कृति विषय पर ऑनलाइन डॉक्यूमेंट्री का प्रसारण किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत केंद्र सरकार की एक अनूठी योजना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की एकता–अखंडता और संस्कृति को अक्षुण बनाये रखने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर 2015 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना प्रारंभ की है। महाविद्यालय में प्रतिमाह एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं एवं स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्राओं को प्रतिमाह कैरियर के विविध क्षेत्रों की जानकारी दी जाती है।

डॉ यशवंत निंगवाल ने श्रीमद् भगवत गीता के द्वितीय अध्याय के श्लोक का वाचन करते हुए ज्ञानी और अज्ञानी व्यक्ति के भेद को समझाते हुए सांसारिक भोग विलास एवं परम आत्म तत्व के बारे में बताया, गूगल मीट का संचालन श्री आशीष सोहगौरा ने आभार डॉ. अखिलेश यादव एवं तकनीकि सहयोग डॉ. निशा रिछारिया ने किया।

रोजगार के अवसरः शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के शिक्षक अभिभावक कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय की समस्त तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए ''रोजगार के अवसर'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। उक्त व्याख्यान में सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन मैडम ने छात्राओं को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहां कि जिस व्यक्ति में सफलता के लिए आशा और विश्वास है वही व्यक्ति सफलता के उच्च शिखर पर पहुंचते हैं । हर एक व्यक्ति को जीवन में रिस्क लेना चाहिए क्योंकि रिस्क लेने वाला व्यक्ति ही इतिहास के पन्नों को बदलता है। उन्होंने छात्राओं को कहा कि अपने हारने के डर को कभी भी अपने जीतने के उत्साह से अधिक मत होने दो । विश्वास और इमानदारी इंसान की अमूल्य धरोहर है उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ जितना बदलाव महिलाओं के व्यक्तित्व में आया है वह सराहनीय है ,सदियों से खुद को साबित करने का मौका आज महिलाओं को मिला है तो उन्होंने कामयाबी के झंडे गाड़ दिए हैं। इस परिपेक्ष

में उन्होंने किरण मजूमदार शॉ एच. सी.एल की चेयर पर्सन रोशनी नादार ,जिंदल ग्रुप की चेयर पर्सन सावित्री जिंदल, फार्मा कंपनी यू .एस. वी. इंडिया की लीना गांधी तिवारी का उदाहरण दिया, जिन्होंने अपनी मेहनत साहस और संघर्ष करने की योग्यता के बल पर सफलता के उच्चतम शिखर को प्राप्त किया।विवेकानंद प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि, सफलता एक झटके से नहीं मिलती सफलता पाने में वक्त लगता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अनिल सिरवैया सचिव सर्च एंड डेवलपमेंट ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं को मौका मिले तो वह एक बड़े कारोबार की अच्छी संचालिका भी बन सकती हैं।एक महिला की प्रगति सम्पूर्ण परिवार की प्रगति होती है। महिलाओं को आर्थिक रूप से समर्थ होना परम आवश्यक है, क्योंकि आर्थिक रूप से जब तक हम विकसित नहीं होंगे तब हम अपना विकास नही कर सकते। उन्होंने कहा कि रोजगार के अनेक अवसर होते हैं जरूरत है सही अवसर पहचानना।हम विपरीत परिस्थितियों में सही अवसर तलाश कर के दूसरो से आगे निकल सकते हैं। उन्होंने फूड लिटरेसी एवम् फूड काउंसलिंग की आवश्यकता पर जोर दिया। तथा रोजगार के विभिन्न आयामों पर चर्चा की।

विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तृतीय वर्ष की प्रभारी डॉ श्रुति गोखले ने छात्राओं से कहा की अगर इंसान मन में संकल्प ले ले ,ठान ले ,तो कोई भी मुसीबत उसका रास्ता नहीं रोक सकती। हमें लगता है बड़े उद्यमियों को सफलता बहुत आसानी से मिली है परंतु हम उस सफलता के पीछे के संघर्षों से परिचित नहीं हैं । हमें उन संघर्षों को समझने की आवश्यकता है। संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉ. यशवंत निगवाल ने शुभाषितानी के माध्यम से धन और समय के सदुपयोग पर छात्राओं को प्रेरणा दी।

हार्टफुलनेस व्यक्तित्व विकासः गृहविज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिये सोमवार से हार्टफुलनेस व्यक्तित्व विकास कार्यशाला ऑनलाईन प्रारंभ होगी जिसमें छात्राओं को विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की जायेगी। प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने बताया कि वर्तमान में छात्राओं को एकाग्रता के साथ ही सरल जीवन शैली विकसित करने की आवश्यकता है, इसके लिये महाविद्यालय ने हार्टफुलनेस संस्था के साथ एम.ओ.यू. साईन किया है जिसके अंतर्गत एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। हार्टफुलनेस संस्था के जोन प्रभारी डॉ कमल वाधवा ने बताया कि हार्टफुलनेस संस्था विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करती हैं जिसमें उनके व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण विषयों पर न केवल उनसे चर्चा की जाती है बल्कि उन्हें योग–ध्यान के सरल मानसिक अभ्यास भी सिखाये जाते हैं जिससे उन्हे व्यवाहारिक जीवन में लाभ होता है तथा कोविड–19 के समय यह अभ्यास विशेषकर लाभादायक हैं। महाविद्यालय प्रबंधन ने इस ऑनलाईन कार्यशाला में भाग लेने वाली छात्राओं के लिये गूगल फार्म से रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य किया है, रजिस्टर्ड सहभागियों को उपस्थिति के आधार पर प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे। पांच दिवसीय कार्यशाला में वक्ता के रूप में श्री रामकिशोर दुबे, कु. सुंदरी शर्मा, श्री रोहित बघेल, श्री विनय पालीवाल और डॉ कमल वाधवा सम्मिलित होंगे।

रचनात्मक लेखन और रोजगार शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 03.02.2021 को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ट के अंतर्गत शिक्षक अभिभावक योजना में स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्राओं हेतु ''रचनात्मक लेखन और रोजगार'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया।

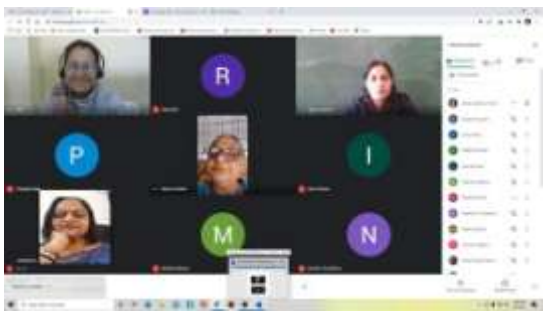

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा 'रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसके द्वारा एक लेखक का उद्देश्य अपने लेखन के माध्यम से अपनी भावनाओं एवं विचारों को व्यक्त करना है। रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी व्यक्ति अपनी लेखन

कौशल में सुधार करके अपनी जीविकोपार्जन का भी साधन बना सकता है। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने बताया कि रचनात्मक लेखन क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है बल्कि अपनी कल्पना, अवलोकन एवं रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही भविष्य के मार्ग को प्रशस्त करती है और कैरियर की राह को आसान बनाती है।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के तहत योग एवं स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान आयोजित

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं हिन्दी विभाग की प्राध्यापक डॉ. मीना शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने विचारों को नवीन ढ़ंग से प्रस्तुत करता है तो वह रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। जिसके लिए सृजनात्मक एवं नवीन रचना का होना आवश्यक है। इन्होंने बताया कि रचनात्मक लेखन के लिए सर्वप्रथम प्रतिभा, सभ्यास, भाषा की पकड़ एवं विषय ज्ञान का होना आवश्यक है। इन सभी की उपस्थिति द्वारा एवं रचनात्मक लेखन का निर्माण किया जा सकता है। साथ ही रचनात्मक लेखन द्वारा हम किस प्रकार एवं किन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं जैसे– प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, कवि, पुस्तक लेखन, पत्रकारिता, फिल्म इन्डस्ट्रीज, विज्ञापन लेखन आदि।

उद्यमिता का महत्व शासकीय विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के शिक्षक अभिभावक कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय की समस्त तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए जीवन में उद्यमिता का महत्व विषय पर गूगल मीट का आयोजन किया गया।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रत्येक देश के नियोजित एवं तीव्र विकास के लिए उद्यमिता का विकास अत्यावश्यक है। उद्यमिता को विकसित करके ही अनेक आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं जैसे बेरोजगारी, गरीबी, कम उत्पादन, धन की विषमता, निम्न जीवन स्तर आदि से छुटकारा पाया जा सकता है। आज विकसित राष्ट्र इसलिए विकसित और अग्रणी कहे जाते हैं क्योंकि वहां प्रत्येक नागरिक उद्यम एवं उद्यमिता को प्राथमिकता देता है।अल्प विकसित या विकासशील देश इसी कारण से पिछड़ रहे हैं क्योंकि वहां के अधिकांश नागरिक किसी अन्य के उद्यम पर निर्भर हैं।

कठिन परिश्रम से ही सफलता संभव: डॉ जैन

उद्यमिता से ही समाज और देश में बदलाव लाया जा सकता है। कैसेट किंग गुलशन कुमार जिन्होंने ऑडियो कैसेट के क्षेत्र में क्रांति ला दी और कैसेट को जन सामान्य के लिए सुलभ बना दिया ,उद्यमिता के महत्व का जीवंत उदाहरण है । भारत जो स्वयं एक विकासशील राष्ट्र है यहां पर उद्यमिता बचत, पूंजी निर्माण नवप्रवर्तन, रोजगार के अवसरों का सृजन और देश के संतुलित विकास में परम आवश्यक है।स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने छात्राओं को उद्यम स्थापित करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ श्रुति गोखले में विषय की रूपरेखा बताते हुए कहा कि उद्यमिता आज की महती आवश्यकता है। व्यक्ति स्वयं तो रोजगार प्राप्त करता है तथा दूसरे को भी रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम है। सुभाषितानि के माध्यम से संस्कृत अध्यापक डॉ यशवंत निंगवाल ने महाभारत में भगवान कृष्ण और अर्जुन के वार्तालाप को बतलाते हुए कहा कि युद्ध भूमि में कृष्ण अपने परिचितों के सामने युद्ध करने से मना किया तब श्री कृष्ण ने गीता का सार बतलाया और अर्जुन को वर्तमान समय के लिए स्थिर करते हैं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की कविता ना झुके कभी ना टूटे कभी को भी समझाया। मुख्य वक्ता श्री देवेंद्र सैनी ने विषय की महत्ता बताते हुए कहा कि उद्यमिता विकास जहां बेहतर करियर का निर्माण करता है, वहीं उद्यमी को दूसरों को भी रोजगार देने का सक्षम बनाता है। उद्यमिता के जरिए ही समाज से गरीबी को दूर किया जा सकता है। उद्यमिता के जरिए जीवन और समाज में सार्थक बदलाव लाया जा सकता है। जीवन में सफलता के लिए विद्यार्थी उद्यमिता की राह अपनाएं। योजनाबद्ध तरीके से अपने आइडिया पर कार्य करें और सफल उद्यमी बनें। उद्यमिता ही जीवन में बेहतर करियर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगी।

मध्यप्रदेश में फिल्म उद्योग की संभावनाएं और रोजगार के अवसर शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 08.02.2021 को स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शिक्षक अभिभावक योजना में स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्राओं के लिए ''मध्यप्रदेश में फिल्म उद्योग की संभावनाएं और रोजगार के अवसर हेतु हमारी तैयारी'' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि फिल्मी ग्लैमर की चकाचौंध हमेशा अपनी ओर आकर्षित करती रही है हालांकि फिल्मी जगत में कामयाबी मिलना सहयोग एवं किस्मत पर भी निर्भर करता है लेकिन प्रतिभा एवं सही मार्गदर्शन की सहायता से कामयाबी पाने का रास्ता सहज ही बन जाता है।प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने बताया कि इस क्षेत्र में अपने अंदर की प्रतिभा एवं रूचि को सही तरीके से पहचानना और उसका इस्तेमाल करना आवश्यक है मध्यप्रदेश में फिल्मों की शूटिंग बढ़ने और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मध्य पर्यटन नीति 2020 लागू की है इस नीति के तहत मध्यप्रदेश में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अनेक रियायतें प्रदान की है। विषय विशेषज्ञ डॉ. मयंक चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का विषय छात्राओं के लिए अपने आप में एक अनूठा विषय है। इसमें रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में 3 साल में लगभग 300 से ज्यादा फिल्में बनाई गई और यदि मध्यप्रदेश में जो भी फिल्म बनाते हैं उनमें से 50 प्रतिशत को सरकार की ओर से अनुदान भी दिये जाने का प्रावधान है। मध्यप्रदेश के कुछ क्षेत्र जैसे भेड़ाघाट, पचमढ़ी, नर्मदा तट महेश्वर, ग्वालियर, आदि शूटिंग हेतु चिन्हित है। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन काल में जितनी भी वेब सीरीज बनाई गई अधिकांशत मध्यप्रदेश में ही शूट की गई अतः इस क्षेत्र में मध्य प्रदेश के छात्र–छात्राएं अभिनय कला द्वारा लेखन, एडिटिंग, संपादन कार्य, कैमरामैन, मेकअप मैन, प्रोडक्शन मैनेजर, लाइटमैन आदि के रूप में रोजगार के विभिन्न अवसर प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार हेतु इस क्षेत्र में लघु फिल्में बना सकते हैं और सोशल मीडिया की मदद से रोजगार के विभिन्न आयामों को तलाश सकते हैं। सरकार ने मध्य प्रदेश फिल्म पर्यटन नीति 2020 के अंतर्गत इस क्षेत्र में कार्य हेतु प्रचार प्रसार एवं प्रोत्साहन हेतु राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है उन्होंने छात्राओं को अवगत कराया कि टूरिज्म डिपार्टमेंट के साथ मिलकर स्थाई एवं अस्थाई कर्मचारी के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अंत में उन्होंने कहा कि स्वयं से ही स्वयं का गुरु बन सकते हैं और अपनी प्रतिभा और कला को पहचान कर रोजगार के अनेक द्वार हम स्वयं ही खोल सकते हैं ।

सफल उद्यमी शासकीय गृह विज्ञान स्नात्कोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्ग दर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान मे 'सफल उद्यमी' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कार्यक्रम प्रारम्भ करने कि अनुमति प्रदान करते हुए कहा सफल उद्यमी सदैव आशावादी सोच के साथ काम करते हैं। ऐसे उद्यमी किसी भी स्थिति का सामना करने को तैयार रहते हैं। इतना ही नहीं अपने सकारात्मक दृष्टिकोण के बलबूते वे हर असंभव दिखने वाले काम को संभव करने का कोई न कोई रास्ता खोजने का दम रखते हैं। एक सफल उद्यमी अपने कार्य के प्रति पूरी तरह ईमानदार और समर्पित होता है।

योजनाएं बनाने उन्हें क्रियान्वित करने ,अपनी टीम का सही मार्गदर्शन करने तथा अपने व्यापार को निरंतर प्रगति कि ओर अग्रशर करने में उद्यमी में कुशल नेतृत्व का होना अत्यन्त आवस्यक है हमारे देश मे किरण मजूमदार शॉ, इंदिरा नुई ,मुकेश अंबानी ,रतन टाटा कुमार मंगलम विडला जैसे सफल उद्यमी है जिनकी सफल नेतृत्व क्षमता सभी युवा उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार ने कहा उद्यमी केवल साधनों का एकीकरण ही नहीं करता है बल्कि नए उपकरणों की स्थापना भी करता है तथा औद्योगिक क्रियाओं को विस्तृत रूप प्रदान करता है। उद्यमी व्यक्तियों का स्वभाव स्वतन्त्र प्रकृति का होता है।समिति की संयोजक डॉ. आर. बी शाह ने कहा जिंदगी बनानी है तो जोखिम लो बिना जोखिम स्वीकार सफलता नही मिलती है। हमारी सबसे बड़ी पूंजी आत्मविश्वास है जो हमे सही समय पर सही निर्णय लेना सिखाता है।स्वामी विवेकानंद के प्रेरण वाक्य ''आत्म नियंत्रण करो ईश्वरीय शक्तियां आप की दासी बन जाएगी'' का वाचन करते हुए योगाचार्य रघुवीर राजपूत ने बताया आत्म नियंत्रण के लिए आत्मा क्या है यह जानना आवश्यक है। जिसको सुख–दुःख की अनुभूति है जो चेतन ,प्रयत्नशील है वही आत्मा है आत्मा की सहायता से परम पिता परमात्मा को प्राप्त किया जा सकता है।

होमसाइंस कॉलेज में हुई चर्चा

उद्यमिता से गरीबी हो सकती है दूर

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रितेश खंडेलवाल नें विषय के हर पहलू को विस्तार से बताते हुए कहा कि छोटे–छोटे लक्ष्य के सहारे बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है इसलिए छोटे –छोटे लक्ष्य को भी पूरी ईमानदारी से करना चाहिए लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास करना चाहिए जब तक सफलता प्राप्त न हो जाये।

संगीत कला के क्षेत्र में रोजगार के अवसर शासकीय गृह विज्ञान स्नात्कोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामीविवेकानंद कैरियर मार्ग दर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान मे ''संगीत कला के क्षेत्र में रोजगार के अवसर'' विषय पर ऑनलाइन व्यख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कार्यक्रम प्रारम्भ करने कि अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि युगों पहले से मानव अपनी आत्मा की भावना को कला के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। संगीत को हम पीढ़ी दर पीढ़ी सीखते हुए संरक्षित कर रहे है, इस तरह से हम हमारे शास्त्रीय संगीत में अपनी मधुर गुणवत्ता को बरकरार रखे हुए हैं। भारत में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक आते–आते संगीत की शैली और पद्धति में जबरदस्त परिवर्तन हुआ है। भारतीय संगीत के इतिहास के महान संगीतकारों जैसे कि कालिदास, तानसेन, अमीर खुसरो आदि ने भारतीय संगीत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिसकी गहराई और मधुरता को पंडित रवि शंकर, भीमसेन गुरूराज जोशी, पंडित जसराज, प्रभा अत्रे जैसे संगीत प्रेमियों ने कायम रखा । संगीत से हमारी स्मृति की क्षमता बढ़ जाती है। संगीत से समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल को बेहतर बना सकते है, संगीत हमारे पढ़ने और एकाग्रता में सुधार लता है यह आत्म अभिव्यक्ति को बेहतर और तनाव मुक्त करता है। संगीत के क्षेत्र मे इच्छुक छात्रों के लिए रोजगार के कई अवसर है छात्राऍ टेलीविजन, संगीत चौनल, टीवी चैनलों, आकाशवाणी और निजी एफ.एम. चैनल स्टेशनों, सरकारी विभागों में एक संगीतज्ञ के रूप में अनुसंधान संगठनों, संगीत कंपनियों, शैक्षिक संस्थानों, कला केंद्र आदि में रोजगार के अवसर पा सकते हैं । इसके अलावा घर पर निजी कक्षाएं लगाने, संगीत स्कूल खोलने एवं स्वतंत्र कार्यक्रमों के निर्देशन के रूप में स्व–रोजगार के लिए कई अवसर हैं।समिति की संयोजक डॉ आर. बी साह ने कहा भारतीय संस्कृति में संगीत कला प्राचीन कला है इसका स्वरूप विस्तृत है भारत कि विशेषता अनेकता में एकता की है। इसी प्रकार संगीत कला भी अनेको रूपो में भारत मे प्रचलित है एवं विश्व में अपनी पहचान बना चुकी है लोक कलाओं एवं परम्पराओ में संगीत का महत्वपूर्ण योगदान है।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री प्रेमकांत कटंगकार ने विषय के हर पहलू को विस्तार से बताते हुए कहा कि किसी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए उस क्षेत्र में कुशलता अत्यंत आवश्यक है कुशलता किसी क्षेत्र में तभी प्राप्त हो सकती है। जब आप पूर्ण रुचि के साथ उस क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करते है और अपने लगन और मेहनत के बल पर उस क्षेत्र विशेष में अध्ययन और अभ्यास करते है। संगीत एक प्रदर्शनात्मक कला है अतः विद्यार्थी या कलाकार का उस कला में प्रदर्शन से ही उसकी योग्यता का निर्धारण होता है। प्रदर्शन मात्र प्रायोगिक ही नहीं बल्कि सैद्धान्तिक पक्ष में भी निपुणता होनी चाहिए। संगीत में रोजगार की असीम संभावनाएं है एवं इसमें प्रदर्शन कारी कलाकार, संगीत शिक्षण आदि के रूप में स्वरोजगार भी प्राप्त किया जा सकता है।

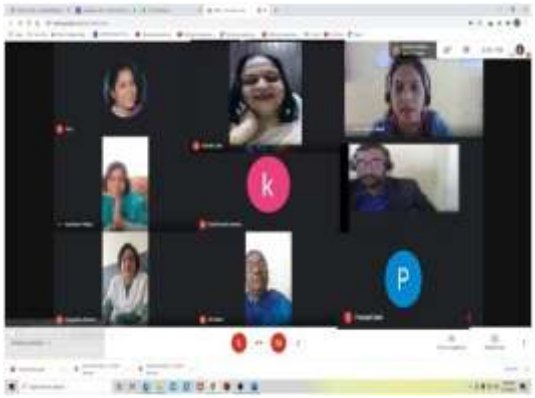

हार्टफुलनेस व्यक्तित्व विकास गृहविज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिये एक सप्ताह तक चलने वाली हार्टफुलनेस व्यक्तित्व विकास कार्यशाला सोमवार से ऑनलाईन प्रारंभ हुई जिसमें छात्राओं को विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की जायेगी। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि वर्तमान में छात्राओं को एकाग्रता के साथ ही सरल जीवन शैली विकसित करने की आवश्यकता है, इसके लिये महाविद्यालय ने हार्टफुलनेस संस्था के साथ एम.ओ.यू. साईन किया है जिसके अंतर्गत एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उन्होने छात्राओं को पूरे मनोयोग से इस कार्यक्रम में शामिल होने की सलाह दी । आज प्रथम दिन के प्रमुख वक्ता श्री रामकिशोर दुबे ने छात्राओं को ''कनेक्ट'' विषय के अंतर्गत अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों, शिक्षकों आदि से जुड़ने का तरीका बताया और अंत में स्वयं से जुड़ने के लिये ध्यान का अभ्यास कराया। इसके पूर्व मन को शांत करने के लिये रिलेक्सेशन की विधि बताई जिससे 5 मिनिट में मन शांत होने लगता है। हार्टफुलनेस संस्था के जोन प्रभारी डॉ कमल वाधवा ने बताया कि हार्टफुलनेस संस्था विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करती हैं जिसमें उनके व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण विषयों पर न केवल उनसे चर्चा की जाती है बल्कि उन्हें योग–ध्यान के सरल मानसिक अभ्यास भी सिखाये जाते हैं जिससे उन्हे व्यवहारिक जीवन में लाभ होता है। महाविद्यालय प्रबंधन ने इस ऑनलाईन कार्यशाला में भाग लेने वाली छात्राओं के लिये गूगल फार्म से रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य किया है, रजिस्टर्ड सहभागियों को उपस्थिति के आधार पर प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे।

जीवन एक कल्पवृक्ष शासकीय गृह विज्ञान स्नात्कोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्ग दर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान मे ''जीवन एक कल्पवृक्ष'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कार्यक्रम प्रारम्भ करने कि अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि वेद एवं पुराणों में कल्पवृक्ष का उल्लेख मिलता है। कल्पवृक्ष स्वर्ग का एक विशेष वृक्ष है। पौराणिक धर्मग्रंथों और हिन्दू मान्यताओं के अनुसार यह माना जाता है कि इस वृक्ष के नीचे बैठकर व्यक्ति जो भी इच्छा करता है, वह पूर्ण हो जाती है, क्योंकि इस वृक्ष में अपार सकारात्मक ऊर्जा होती है।पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के 14 रत्नों में से एक कल्पवृक्ष की भी उत्पत्ति हुई थी। समुद्र मंथन से प्राप्त यह वृक्ष देवराज इन्द्र को दे दिया गया था और इन्द्र ने इसकी स्थापना सुरकानन वन (हिमालय के उत्तर में) में कर दी थी। योग में स्थिर मन को कल्पवृक्ष कहते हैं। कल्पवृक्ष अर्थात हर इच्छा को पूरा करने वाला वृक्ष। अगर आप अपने शरीर, मन, भावनाओं और ऊर्जा को एक ही दिशा में लगाते हैं तो आप अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। समिति की संयोजक डॉ. आर. बी साह ने कहा कल्पवृक्ष एक आलंकारिक शब्द है जिसका अर्थ है कल्पनाओं, कामनाओं को पूरा करने का केन्द्र एवं तरीका। मनुष्य का जीवन ही कल्पवृक्ष है। उसकी जड़ें, तना, टहनियाँ, पत्ते, फल– फूल सभी ऐसे हैं कि उनका यदि ठीक तरह उपयोग किया जाय तो व्यक्ति के मन में ऐसी ही कल्पनाएँ, कामनाएँ उठेंगी जो उचित परिश्रम एवं सकारात्मकता के साथ कड़ी मेहनत के द्वारा हम अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर लेंगी।कार्यक्रम कि मुख्य वक्ता डॉ. पुष्पा दुबे ने विषय के हर पहलू को विस्तार से बताते हुए कहा कि कल्प वृक्ष का मतलब विशिष्ट वृक्ष, देने वाला ,अतिशक्तिमान एवं जिसने इस वृक्ष को बनाया है वह अति विशिष्ठ है जिसने कल्प वृक्ष को बनाया है उसी ने हम सबको भी बनाया है जितनी शक्तियां कल्प वृक्ष में है उतनी ही शक्तियां हम सब मे भी है

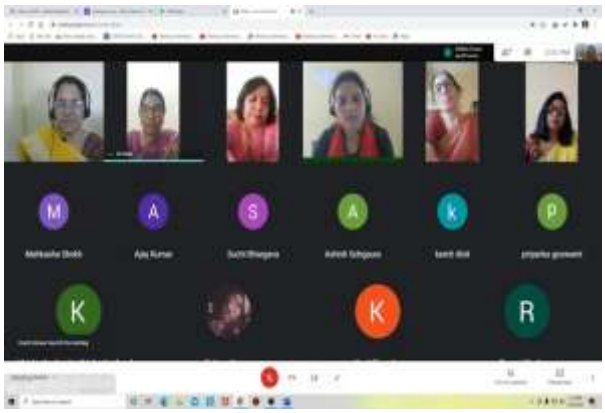

पर उनको पहचानने कि आवस्यकता है जिनको पहचान कर समाज ,प्रदेश और देश का कल्याण किया जा सकता है उचित एवं अनुचित का आत्म मूल्यांकन करके सत्य के मार्ग पर चल कर पुरूषार्थ (अर्थ ,धर्म ,काम ,मोक्ष) को प्राप्त किया जा सकता है। आज के बोध वाक्य **''आत्म नियंत्रण करो''** ,ईशवरीय शक्ति तुम्हारी दासी बन जायेगी की व्याख्या करते हुए आभा वाधवा ने कहा आत्म नियंत्रण से शरीर और मन शक्ति शाली रहता है मानशिक शक्ति का मतलब हृदय और मन को शुद्ध रखना यदि हम अपने ऊपर नियंत्रण रखते है तब ही समाज देश के हित मे कार्य कर सकते है।

भगदड़ प्रबंधन शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होषंगाबाद में आज दिनॉक 26. 02.2021 को आपदा प्रबंधन समिति द्वारा भगदड़ प्रबंधन पर गूगलमीट पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि भगदड एक आपदा है 2005 में बना राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कानून 34 तरह की आपदा स्थितियों की पहचान करता है जिनमें से बाढ एवं भूकंप पर ही अधिक ध्यान दिया जाता है लेकिन कानून साफ तौर पर कहता है कि अपने अपने इलाकों में ऐसे जगहों की पहचान सुनिष्चित की जाये जहॉ भीड जुटती है जुटाई जाती है उन्होने कहा कि धार्मिक उत्सवों में भगदड का खतरा अभी भी बरकरार है साल 2008 की नैना देवी भगदड 2009 में रना की शवरीमाला भगदड देवगढ की भगदड के बारे में बताकर उनसे अपने आप को सुरक्षित कैसे रखा जाये इसके बारे में अपने व्यक्तत्व के माध्यम से उल्लेखित किया।

मुख्य वक्ता डॉ. वंदना श्रीवास्तव ने कहा कि प्राकृतिक आपदायें एवं प्रषासनिक अव्यवस्था के कारण भगदड जैसी आपदा पैदा होती है इसमें सम्पति सें अधिक जान की क्षति होने की संभावना होने की संभावना होती है उन्होने अपने व्याख्यान में स्वयं के साथ भगदड के दौरान हुई घटित घटनों के बारे में बताया और केदारनाथ में भगदड जैसी आपदा को विस्तृत रूप से बताया कि भगदड के समय अपने आप को सुरक्षित कैसे रखा जाये– उन्होने कहा कि भीड में पडने पर कभी उसके विपरीत न जाये भीड के साथ उसी दिषा में जाये यदि थोडी जगह दिखे तो उसका फायदा उठाये। भीड बाली जगहों से फसने में हमें हमेंषा दीवारो, वेरीकेटिंग से दूरी बनाकर खाली जगह पर जाने की कोषिष करना चाहिए आदि तथ्यों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने कहा भगदड भीड प्रबंधन की असफलता या अभाव की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है इसमें भीड अचानक किसी अफवाह , आषंका या भ्रम के कारण तेजी से एक तरफ भागने लगती है। जिसके कारण प्रायः बालक, वृद्ध एवं स्त्रियां भागते लोगों के पैरो के नीचे आकर कुचले जाते है। लोगों के भीड में दबने से मौत तक हो जाती है उन्होने कुम्भ मेला, माघ मेला आदि बडे धार्मिक समारोह में हुई भगदडों के बारे में बताते हुए सुरक्षा के उपाय भी बताये।

मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य स्वामी विवेकानंद के लिए मार्गदर्शन योजना के तत्वधान में शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में समस्त प्रथम वर्ष की छात्राओं हेतु मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जी ने बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है योग शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जितना फायदेमंद है उतना ही मानसिक रूप से मजबूत देता है मन के नियंत्रण से ही योग मार्ग में आगे बढ़ा जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद के लिए मार्गदर्शन योजना प्रथम वर्ष प्रभारी डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि हमारी शारिरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिए योग महत्वपूर्ण होता है ये क्षमता प्राणायाम के द्वारा संभव है।

बोध वाक्य के अंतर्गत डॉ. हर्षा चचाने ने छात्राओं को समझाया कि जीवन का सर्वश्रेष्ठ वाक्य है हमारे विचार। हमारे आसपास विभिन्न प्रकार के सकारात्मक एवं नकारात्मक विचारों वाले व्यक्तियों की उपस्थिति होती है हमें यह प्रयास करने चाहिए कि सकारात्मक विचारों वाले व्यक्तियों के संपर्क में रहें एवं नकारात्मक विचारों वाले व्यक्तियों से दूरी बनाए रखें।

विषय विशेषज्ञ श्रीमती किरण विश्वकर्मा ने बताया कि आज के आधुनिक जीवन में सभी कार्य शारीरिक की अपेक्षा मानसिक अधिक है जिससे तनाव उत्पन्न होता है। योग एवं प्राणायाम के माध्यम से इन तनावों को आसानी से दूर किया जा सकता है। इस बात की वैज्ञानिक ने भी स्वीकार किया है योग साधना से पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए महर्षि पतंजलि के द्वारा बताए गए अष्टांग योग का पालन करना चाहिए एवं शटकर्म (शुद्धि क्रियाओं) का पालन अनिवार्य रूप से करना चाहिए तभी एक साधक योग साधना में आगे बढ़ सकता है वह योग एवं प्राणायाम से संबंधित सभी लाभों को प्राप्त कर सकता है एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकता है। योग जीवन दर्शन है जो मनुष्य को उसकी आत्मा से जोड़ता है।

पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 15.02.2021 को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शिक्षक अभिभावक योजना में स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्राओं हेतु ''पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि वर्तमान में पर्यावरण पूरे विश्व में एक गंभीर मुद्दा बन गया है मनुष्य तथा पर्यावरण दोनों परस्पर एक दूसरे से इतने संबंधित है कि उन्हें अलग करना कठिन हैं। जिस दिन पर्यावरण का अस्तित्व ही मिट जाएगा उस दिन मानव जाति का अस्तित्व भी मिट जाएगा यह आधारभूत सत्य है। पर्यावरण को बचाने के लिए जागरूकता, सजगता तथा अपने दायित्वों का पूर्ण ईमानदारी से हर इंसान को निर्वहन करना होगा।

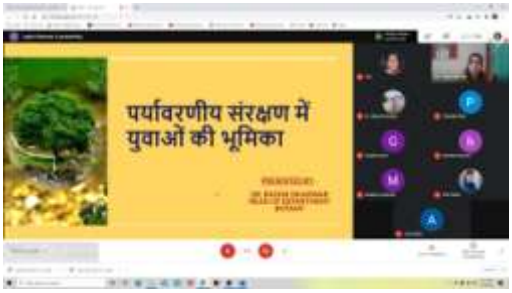

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्राध्यापक डॉ. रागिनी सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा की वर्तमान में प्राकृतिक संसाधनों का अति विदोहन आगामी पीढ़ी के सामने एक बड़ी समस्या होगी। उन्होंने बताया कि प्रकृति संरक्षण का अर्थ है जैव विविधता के रखरखाव को प्रबंधित करना। उन्होंने प्रदूषण के विभिन्न प्रकारों एवं उन्हें दूर करने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा किस प्रकार हम अपने स्तर पर

पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर सकते हैं। उन्होंने हरित घर, म्बव इतपबोए बायो डीजल जैसे इको फ्रेंडली नवीन अवधारणा को विस्तार से समझाया।

'गांधीजी के नैतिक दृष्टि' शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 01.03.2021 को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शिक्षक अभिभावक योजना के तत्वाधान में द्वितीय वर्ष की छात्राओं हेतु 'गांधीजी के नैतिक दृष्टि' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि गांधी जी अहिंसा को साधन और सत्य को साध्य के रूप में मानते थे। उनकी दृष्टि में सत्य और अहिंसा में कोई अंतर नहीं है इन्होंने अहिंसा और सत्य नामक सिद्धांत की स्थापना की।

प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने बताया गांधी जी के विचारों ने दुनिया भर के लोगों को ना सिर्फ प्रेरित किया बल्कि करुणा, सहिष्णुता और शांति की दृष्टि से भारत और दुनिया को बदलने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया इन्होंने अपना सारा जीवन सिद्धांतों और प्रथाओं को विकसित करने पर लगा दिया।

मुख्य वक्ता डॉ निशा रिछारिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि गांधीजी के अनुसार नैतिकता वह है जो पशुवत व्यवहार को छोड़कर मानवीय व्यवहार को अपनाता है। भले ही गांधीजी आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके विचार आज भी जीवित है गांधी जी ने सत्यता और अहिंसा पर जोर दिया उनका मानना था कि अहिंसा से किसी को भी जीता जा सकता है गांधीजी ने महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध के विचारों से प्रेरित होकर अहिंसा का मार्ग अपनाया गॉधी जी का जीवन बहुत ही सरल एवं सहज था जिन्होंने रंगभेद नीति और जाति भेद को दूर किया। इन्होंने सत्य अहिंसा और प्रेम के मार्ग पर चलते हुए महिलाओं के लिए अनेक कार्य किए। गांधी जी ने शूद्र शब्द के स्थान पर हरिजन शब्द का उपयोग किया क्योंकि गांधी जी ऐसा मानते थे कि भारतीय समाज ईश्वर से ही डरता है और इन्होंने शूद्रों को ईश्वर के साथ जोड़कर हरिजन शब्द का उपयोग किया और उन्हें समाज में सम्मान दिलाने का प्रयास किया।

संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉ यशवंत निगवाल ने कार्यक्रम के अंत में मां और जन्मभूमि पर आधारित सुभाषितानि का वर्णन किया जिन्होंने 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' का बहुत ही सुंदर तरीके से अर्थ स्पष्ट किया।

हिंदी अंग्रेजी भाषिक दक्षता आधारित विविध अनुवाद एवं रोजगार शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत महाविद्यालय की तृतीय वर्ष की छात्राओं हेतु हिंदी अंग्रेजी भाषिक दक्षता आधारित विविध अनुवाद एवं रोजगार विषय पर व्याख्यान का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा व्यक्तित्व का परिचय कराती है रोजगार के लिए भाषिक निपुणता अति आवश्यक है

उन्होंने छात्राओं से कहा कि सारी शक्तियां आपके पास है स्वयं को पहचान कर आप अपना लक्ष्य हासिल कर सकती हैं।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ श्रुति गोखले ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया कि भाषा संचार का सशक्त माध्यम है अच्छा श्रोता अच्छा पाठक एवं अच्छा लेखक भाषिक दक्षता प्राप्त कर सकता है भाषिक दक्षता रोजगार के लिए योग्य बनाती है विविध भाषाओं का ज्ञान अर्जित कर आप एक अच्छे लेखक अनुवादक संपादक एवं स्तंभकार बनकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं सुभाषितानि के माध्यम से संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर यशवंत निगवाल ने छात्राओं को ज्ञानामृत प्रदान किया।

मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के हिंदी विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ. पुष्पा दुबे ने छात्राओं को विषय की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि भाषा हमारे विचारों एवं भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है साथ ही भाषा द्वारा संचार संभव होता है किसी भी क्षेत्र की भाषा संस्कृति एवं समाज को संप्रेषित करती है। डॉ. दुबे ने लक्ष्य भाषा एवं स्रोत भाषा के माध्यम से विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमें जिस भाषा पर कार्य करना है उसके शब्दकोश का विस्तृत ज्ञान आवश्यक होता है शब्दकोश में निपुणता उस भाषा में दक्षता प्राप्त करने हेतु आवश्यक होती है साथ ही व्याकरण का ज्ञान भाषा को पारंगत बनाता है कोई भी व्यक्ति स्वतंत्र अनुवादक के रूप में अपनी आजीविका संचालित कर सकता है एवं स्वयं का अनुवाद फर्म भी स्थापित कर सकता है विदेशी एजेंसियों से भी अनुवाद परियोजना के अवसर प्राप्त होते हैं इस प्रकार हिंदी एवं अंग्रेजी भाषाओं में दक्षता प्राप्त होने से व्यक्ति प्रदेश राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार प्राप्त कर सकता है।

औषधीय पौधे एवं पौधों के पोषक मूल्य शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय में वनस्पति विभाग द्वारा औषधीय पौधे एवं पौधों के पोषक मूल्य विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला के प्रथम दिवस का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। कार्यशाला की संयोजक एवं वनस्पति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रागिनी सिकरवार ने कार्यशाला की रूपरेखा बताते हुए कहा कि औषधीय पौधों को चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में माना जाता है। औषधीय पौधों के प्रयोग नें पूरी विश्व स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है वर्तमान समय में पूरे विश्व के समक्ष सर्वव्यापी महामारी कोरोना एक चुनौती के रूप में सामने आई है। जिसमें यह माना जाता है कि व्यक्ति का प्रतिरक्षी तंत्र मजबूत होना चाहिए। जिससे वह शरीर में आने वाले हानिकारक जीवाणुओं को मार सके और अपने शरीर को स्वस्थ बनाए रख सकें। इसके लिए देशी दवाई जैसे हल्दी गुड़, तुलसी अदरक आदि के सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

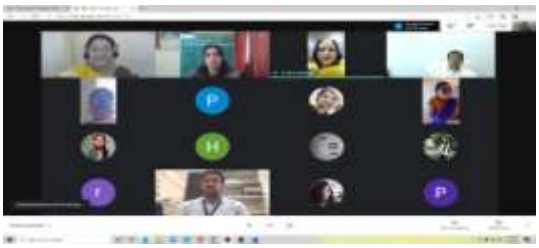

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्राचीन काल से ही पौधों का प्रयोग औषधि के रूप में किया जा रहा है। प्रारंभ से ही भारत को औषधीय पौधों की रूप में अनेक भंडार मिले हैं भारत में 1 बड़ी संख्या में है जिसमें औषधीय और सुगंधित पौधों के प्रमुख भंडार हैं। भारत में आयुष प्रणालियों में लगभग 8000 हर्बल उपचारों का उल्लेख किया

गया है यूनानी और आयुर्वेद चिकित्सक पद्धति सबसे अधिक विकसित और व्यापक रूप से प्रचलित है। इन चिकित्सा पद्धतियों के प्रयोग से किसी भी प्रकार की हानि बहुत ही कम देखने को मिलती है यह पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं। इसीलिए हर्बल उपचार बहुत तेजी से पूरे विश्व में प्राथमिकता के के तौर पर बढ़ रहा है औषधीय पौधे जैसे एलोवेरा तुलसी नीम अदरक आदि का प्रयोग होम रेमेडी के रूप में भी किया जा रहा है। आज की आधुनिकता की दौड़ में हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं परंतु आज के वातावरण को देखते हुए हर्बल मेडिसिन का प्रयोग कर हमें इको फ्रेंडली बनाता है कुछ औषधीय पौधों को हम अपने घरों में भी उगा कर इसका प्रयोग दैनिक दिनचर्या में भी कर सकते हैं। वर्तमान समय में हमारे महाविद्यालय में एक विकसित हर्बल उद्यान है, जिसमें लगभग डेढ़ हजार से भी अधिक प्रजाति के पौधे उपलब्ध है।

मुख्य वक्ता के रूप में सेंटर फॉर ट्रेडीशनल नॉलेज फॉर रिसर्च के डायरेक्टर डॉ.आर एल एस सिकरवार ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए ऐसे विशेष औषधीय पौधों की जानकारी दी जिन्हें आम लोग नहीं जानते हैं। डॉ.

सिकरवार ने भारत को औषधीय पौधों से समृद्धि देश बताया क्योंकि भारत में 15 से अधिक एग्रो क्लाइमेटिक कंडीशन पाई जाती है। इसी प्रकार कई चिकित्सा पद्धतियों में आयुर्वेद सबसे प्राचीनतम विज्ञान है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में 75 प्रतिशत आधुनिक दवाइयां ट्राइबल प्लांट्स से बनी होती है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य औषधीय पौधों के रूप में सर्वप्रथम डिलेनिया पेंटागाईना (करकट) जो एक विशेष औषधीय गुणों वाला पौधा है। इससे प्रसव के दौरान संक्रमण से बचाव, ब्रेस्ट कैंसर जैसे असाध्य रोगों की रोकथाम की जा सकती है. कोर्डिया मेंकलिऑडी(दहीमन) पौधे की छाल पतियों एवं जड़ के द्वारा त्वचा के रोगों मुंह के घाव पीलिया आदि रोगों से बचाव किया जा सकता है ऐसा ही एक और महत्वपूर्ण पौधा एलेक्ट्रा चित्रकुटेंसिस जिसे निर्गुणी के नाम से भी जाना जाता है। यह पौधा लेप्रोसी, बवासीर, लकवा एवं कब्ज जैसे रोगों में लाभ देता है। इसके अलावा डॉ. सिकरवार ने संजीवनी हिंगोट एवं मोर शिखा जैसे औषधीय पौधों की जानकारी दी एवं इसके औषधीय गुणों पर प्रकाश डाला।

औषधीय पौधे व उनके पोषक मूल्य – द्वितीय दिवस सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया इन पंक्तियों के साथ औषधीय पौधे व उनके पोषक मूल्य विषय पर आयोजित कार्यशाला के द्वितीय दिवस में प्रसंस्करण विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। वनस्पति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार ने पौधे के प्रसंस्करण की रूपरेखा पर अपने विचार प्रस्तुत किए उन्होंने बताया कि किस प्रकार औषधीय पौधों से औषधियां प्राप्त की जाती हैं। जो जीवन मूल्य को बचाने में मदद करती हैं।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि की हर्बल दवा के द्वारा प्राकृतिक रूप से विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उपचार किया जाता है आज के आधुनिक युग में मेडिसिन क्षेत्र में नई–नई तकनीकों के खोज के माध्यम से उपचार किया जा रहा है। इसके बावजूद भी हर्बल उपचार की वैश्विक मांग है। प्राकृतिक चिकित्सा जनसामान्य के लिए आसानी से उपलब्ध हो जाती है और आसानी से वहन करने योग्य भी है। अतः पौधों के विभिन्न भागों द्वारा अलग–अलग तरह की हर्बल दवाइयां ट्रेक की जा रही है

जिनका उपयोग विभिन्न रोगों के उपचार में किया जा रहा है। उदाहरण के लिए हल्दी का प्रयोग डायरिया चर्म रोग दर्द आदि के लिए किया जाता है। इसके अलावा हमारे घरों में भी आसानी से उपलब्ध अदरक को सर्दी जुकाम माइग्रेन हाई बीपी के उपचार में प्रयोग करें किया जाता है। ऐसे बहुत से पौधे हमारी पृथ्वी में हैं और हर एक पौधे के अपने औषधीय गुण होते हैं जिनका अध्ययन वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर जारी है।

चिकित्सा पद्धतियों में आयुर्वेद सबसे प्राचीनतम विज्ञान है : सिकरवार

होशंगाबाद (नवदुनिया प्रतिनिधि)। गृहविज्ञान महाविद्यालय में वनस्पति विभाग द्वारा औषधीय पौधे एवं पौधों के पोषक मूल्य विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वनस्पति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रागिनी सिकरवार ने कहा कि औषधीय पौधों को चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में माना जाता है। औषधीय पौधों के प्रयोग ने पूरी विश्व स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में पूरे विश्व के समक्ष सर्वव्यापी महामारी कोरोना एक चुनौती के रूप में सामने आई है। जिसमें यह माना जाता है कि व्यक्ति का प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होना चाहिए। जिससे वह शरीर में आने वाले हानिकारक जीवाणुओं को मार सके और अपने शरीर को स्वस्थ बनाए रख सके। इसके लिए देसी दवाई जैसे हल्दी गुड़, तुलसी अदरक आदि के सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने कहा कि प्राचीन काल से ही पौधों का प्रयोग औषधि के रूप में किया जा रहा है। प्रारंभ से ही भारत को औषधीय पौधों की रूप में अनेक भंडार मिले हैं। औषधीय पौधे जैसे एलोवेरा, तुलसी, नीम, अदरक आदि का प्रयोग होम रेमिडी के रूप में भी किया जा रहा है। आज की आधुनिकता की दौड़ में हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं परंतु आज के वातावरण को देखते हुए हर्बल मेडिसिन का प्रयोग कर हमें इसको फ्रेंडली बनाना है।

मुख्य वक्ता डॉ आरएस सिकरवार ने विशेष औषधीय पौधों की जानकारी दी जिन्हें आम लोग नहीं जानते हैं। डॉ. सिकरवार ने भारत को औषधीय पौधों से समृद्धि देश बताया।

सह संयोजक डॉ रश्मि श्रीवास्तव ने औषधीय पौधों की उपयोगिता के साथ साथ पौधों का पोषण मूल्य और इनसे होने वाले फायदे के बारे में भी बताया उन्होंने बताया कि हमारे महाविद्यालय में एक विकसित पोषण बगिया है। जिसमें बिना रासायनिक खाद मिलाएं प्राकृतिक खाद द्वारा सब्जियां उगाई जाती है।

औषधीय पौधों के प्रसंस्करण विषय रसायन विभाग के प्राध्यापक श्री आशीष सौहगौरा बताया कि जिस ग्रंथ में जीवन के अनुकूल जीवन के प्रतिकूल स्वास्थ्य जीवन एवं रोग अवस्था का वर्णन हो उसको आयुर्वेद कहते हैं हर्बल पौधे पदार्थों को कृषि क्षेत्र से लेकर डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन के द्वारा गुड हर्बल प्रोसेशन प्रैक्टिसेज को ध्यान में रखते हुए प्राइमरी और सेकेंडरी प्रक्रिया की जाती है। जिसमें हर्बल ट्रक्स की मेडिसिन वैल्यू मेंटेन रहती है जिन को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है जीवाणु और संक्रमण से सुरक्षित रख रखा जाता है और इनकी विषाक्तता को भी दूर किया जाता है।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. तृप्ति सिंह VRUNDA natural herbs centre ने मेडिसिनल प्लांट्स प्रोसेसिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी औषधीय पौधे की आज के समय में सबसे अधिक मांग है। उन्होने बताया कि औषधीय पौधों से दवाइयां बनाने हेतु पौधे के प्रत्येक भाग जैसे जड़ों तने छाल तथा पतियों आदि सभी भागों का उपयोग किया जाता है। कुछ औषधियां जैसे शतावर सफेद मूसली अश्वगंधा कलिहारी कालमेघ जैसे औषधियों की प्रोसेसिंग के बारे में विस्तृत रूप से बताया औषधीय पौधों की प्रोसेसिंग हेतु primary, secondary and tertiary steps जैसे harvesting grabbing drying fumigation distillation, eÛtraction आदि प्रोसेसिंग स्टेप्स द्वारा औषधीय पौधों से दवाइयां टेबलेट एवं पाउडर के रूप में तैयार की जाती हैं कुछ महत्वपूर्ण औषधियां जो समद्धि की कगार पर है। जिन्हें संरक्षित किया जा सकता है। इस प्रकार औषधीय पौधों की प्रसंस्करण द्वारा सभी क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त एवं प्रदान किया जा सकता है।

एनसीसी कैडेट्स द्वारा नशा मुक्ति अभियान शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में 5वीं गर्ल्स बटालियन एनसीसी होशंगाबाद के निर्देश के अनुसार प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन एवं एनसीसी ऑफिसर डॉ.संगीता पारे तथा श्री शैलेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन में एनसीसी कैडेट्स द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत गांधी प्रतिमा के समक्ष स्वच्छता रैली नशा मुक्ति स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम रक्षा कलोसिया, द्वितीय वर्षा मालवीय एवं तृतीय सोनाली चौहान ने स्थान प्राप्त किया।

इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य तथा वरिष्ठ महिला प्राध्यापकों का सम्मान किया गया तथा एनसीसी कैडेट्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई, जिसमें कीर्ति सतनामी ,समीक्षा मालवीय तथा राधिका मालवीय ने नृत्य प्रस्तुति दी तथा दीपिका यादव द्वारा भाषण की प्रस्तुति दी गई। प्राचार्य द्वारा एनसीसी कैडेट्स को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए रैंक वितरण की गई।

''भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगॉठ एवं दांडी मार्च का ऐतिहासिक महत्व'' शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में दिनांक 12.03.21 को ''आजादी का अमृत महोत्सव'' का उद्घाटन साबरमती आश्रम गुजरात से किया गया। इस कार्यक्रम का प्रसारण दूरदर्शन के माध्यम से विभिन्न महाविद्यालयों में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालयीन स्टाफ ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा साबरमती आश्रम में दिये गये उद्बोधन को आत्मसात करने का एवं गॉधीजी के जीवंत व्यक्तित्व का अनुसरण करने हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात कार्यक्रम की श्रृंखला में ''भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगॉठ एवं दांडी मार्च का ऐतिहासिक महत्व'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन शासन द्वारा 12 मार्च से प्रारंभ आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला के रूप में किया गया। स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। 12 मार्च से 5 अप्रैल तक महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिता एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी में डॉ किरण पगारे डॉ भारती दुबे संगोष्ठी संयोजक डॉ अमित जोशी एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने मंच पर अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की।

कार्यक्रम का प्रारंभ महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा वैष्णव जन एवं रघुपति राघव राजाराम गीत की प्रस्तुति दी गई। हारमोनियम पर श्री प्रेमकांत कटंगकार एवं तबले पर श्री राम सेवक शर्मा ने संगत दी विषय विशेषज्ञ डॉ.चंद्रशेखर राज ने दांडी मार्च के महत्व को बताते

हुए कहा कि 241 मील की यात्रा 78 अनुयायियों के साथ 24 दिन में पुणे की नमक सत्याग्रह को गंभीरता से ना लेना अंग्रेजों की बहुत बड़ी भूल साबित हुई। गांधीजी ने एक सर्वमान्य मुद्दा उठाया जिससे पूरा राष्ट्र जुड़ गया।

संगोष्ठी की संयोजक डॉ अमिता जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि गांधीजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना जाता है। गांधी जी ने दांडी मार्च के माध्यम से राष्ट्र को एक नया रास्ता दिखाया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव युवा पीढ़ी के लिए एक अवसर है राष्ट्र की पराधीनता से स्वाधीनता के सफर को जानने का। इन कार्यक्रमों के माध्यम से हम राष्ट्र के अमर शहीदों एवं क्रांतिकारियों के जीवन को जान सकते हैं। गांधी दर्शन से आपकी कर्मशीलता ही आपकी गुणवत्ता एवं विकास की आधारशिला होगी। गांधीजी हमेशा अनुकरणीय एवं आत्मसात करने वाले महान व्यक्तित्व के धनी थे।

अमृत महोत्सव के तहत हुई प्रतियोगिताएं, 68 प्रतिभागी शामिल हुए

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शिक्षा हम सभी के लिए प्रासंगिक : कामिनी जैन

संगोष्ठी का सफल संचालन कार्यक्रम जिला आयोजन समिति के संयोजक डॉ. अरुण सिकरवार ने किया। आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ. रामबाबू मेहर ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांधीजी के ग्राम स्वराज का मॉडल आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है गांधीजी सिर्फ अध्ययन के ही नहीं आत्मसात करने वाले व्यक्तित्व हैं।

अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रदर्शनी शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में दिनांक 19.03.21 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का आयोजन इतिहास विभाग के तत्वाधान में किया गया आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में एक पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ सीताशरण शर्मा ,विशिष्ट अतिथि श्रीमती संध्या थापक ,एसडीएम श्री आदित्य रिछारिया ,इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ आर वी शाह, डॉ राम बाबू मेंहर ,अध्यक्ष डॉ ब्रह्मदीप अलूने, एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन मंचासीन रही।

कन्या पूजन एवं मां सरस्वती के पूजन अर्चन के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संगीत विभागी छात्राओं ने वर दे वीणा वादिनी सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। हारमोनियम पर श्री प्रेम कांत कटंगकार एवं तबले पर श्री राम सेवक शर्मा ने संगत दी।

अतिथियों द्वारा फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया ।इस अवसर पर संगीत विभाग की छात्राओं ने रघुपति राघव राजा राम गीत की प्रस्तुति दी ।कुमारी सुनीता भलावी ने दे दी हमें आजादी बिना गीत की प्रस्तुति दी। अतिथियों को औषधीय पौधे प्रदान कर उनका स्वागत अभिनंदन किया गया।

स्वागत भाषण में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि इस प्रदर्शनी के साथ गांधी अध्ययन केंद्र का भी शुभारंभ किया जा रहा है। इस अध्ययन केंद्र में प्रतिवर्ष नवीन आयामों को सम्मिलित किया जाएगा। गांधी अध्ययन केंद्र हमारे महाविद्यालय का स्वप्न है। गांधी जीवन पर आधारित प्रदर्शनी एक ऐसा ही प्रयास है, जिसमें गांधीजी के बचपन से संपूर्ण संघर्ष और आंदोलनों को प्रदर्शनी में सम्मिलित किया गया है जिससे विद्यार्थी गांधी जी के व्यक्तित्व को आत्मसात कर सकें। गांधी अध्ययन केन्द्र विकसित कर धरोहर के रूप में विद्यार्थियों को सौपा जायेगा।

गांधी दर्शन से कर्मशीलता,गुणवत्ता एवं विकास की आधारशिला-डॉ कामिनी जैन

विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ आर बी शाह ने कहा कि गांधीजी के रचनात्मक कार्य, अस्पृश्यता निवारण, चरखा, आत्मनिर्भरता सभी को प्रदर्शनी में सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है 1857 से 1947 तक के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी को क्रमबद्ध रूप में लिया गया है।

डॉ सीताशरण शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गांधी जी ने सिर्फ राजनीतिक आजादी ही नहीं अपितु आर्थिक आजादी की भी बात कही है। गांधीजी को पढ़े बिना उनके व्यक्तित्व को समझ पाना संभव नहीं है।

डॉ रामबाबू मेहर ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गांधीजी जैसे ही साउथ अफ्रीका से आए संपूर्ण भारत का आंदोलन गांधी में हो गया। गांधी जी ने भारतीयता के मूल तत्व को जनता के बीच रोपित कर दिया।

गांधीवादी डॉ ब्रह्मदीप अलूने ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हम शांतिप्रिय देश में निवास करते हैं जहां गांधी जी बुनियादी शिक्षा की बात करते हैं। गांधीजी भारतीयता ,मानवता, आत्मीयता एवं सह्रदयता के प्रतीक हैं । इस कार्यक्रम में कुमारी अंशिका गुप्ता ने गांधी जी के जीवन पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

अमृत महोत्सव मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगॉठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव दिनॉक 12.03.2021 से विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है इन गतिविधियों के अंतर्गत 12 मार्च को अग्रणी महाविद्यालय जिले के समन्वय से एक कार्यक्रम का आयोजन करेंगे जिसका छात्र/छात्राओं के लिए सीधा प्रसारण किया जायेगा। दिनॉक 15 से 17 मार्च तक

गांधी दर्शन से आपकी कर्मशीलता ही आपकी गुणवत्ता एवं विकास की आधारशिला होगीः डॉ कामिनी जैन

अग्रणी महाविद्यालय द्वारा अपने जिले के अंतर्गत ऐतिहासिक स्थलों का चयन एवं सूची तैयार कर कार्यक्रम का आयोजन करेंगे तथा रैली का आयोजन कर चयनित ऐतिहासिक स्थल का चयन कर रैली का समापन उद्बोधन के साथ करेंगे। इसमें एनएसएस एवं एनसीसी अधिकारियों तथा विद्यार्थियों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते समय महाविद्यालय में गॉधी जी के दांडी मार्च पर चर्चा आयोजित की गई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि दांडी मार्चः अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध शांतिपूर्ण सत्याग्रह था। उन्होने कहा कि आंदोलन के रूप में गांधी जी ने सन 1930 में अपना मार्च किया था क्योंकि उस दौर में ब्रिटिश सरकार ने चाय कपड़ा और नमक जैसी वस्तुओं पर टैक्स लगाकर भारतीयों पर अपना एकाधिकार स्थापित करना चाहा था। इस अत्याचार के विरुद्ध गांधीजी ने 12 मार्च 1930 ईस्वी को गुजरात के साबरमती आश्रम से दांडी नामक स्थान पर मार्च किया जिसे इतिहास में नमक सत्याग्रह के रूप में जाना जाता है।

कार्यक्रम में उपस्थित इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. रामबाबू मेंहर ने बताया कि दांडी मार्च की यात्रा 24 दिनों तक चली इस ऐतिहासिक यात्रा अंग्रेजों को चूल्हे हिलाने के लिए काफी थे। गांधी जी ने इसमें अपने चुने हुए 79 अनुयायियों के साथ मार्च किया था। 240 मील लंबी यात्रा कर समुद्र किनारे दांडी में सार्वजनिक रूप से नमक बनाकर नमक कानून का उल्लंघन किया था और उस पर कर देने से इंकार कर दिया। यह घटना 6 अप्रैल 1930 ई. को घटित हुई गांधी जी की इस यात्रा से संपूर्ण भारत में विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कमेटियों ने, लेखकोंख्ख विचारकों आदि के विरोध का स्वर अपनाया था और देश के विभिन्न स्थानों पर सांकेतिक रूप से नमक बनाकर सरकार के नमक कानून को मानने से साफ इंकार कर दिया था। नमक जो प्रत्येक भारतीय की दैनिक चर्या का अभिन्न भाग है। उस पर कर लगाया गया था। तो गांधीजी ने उसी नमक को अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध एक अचूक हथियार के रूप में प्रयोग कर ब्रिटिश सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया था। इसी आंदोलन से सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत हुई थी।

Cycle rally under Azadi ka Amrut Mahotsav

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होषंगाबाद द्वारा ''आजादी का अमृत महोत्सव'' कार्यक्रम के अंतर्गत सायकल रैली का आयोजन महाविद्यालय से चित्रगुप्त मंदिर होते हुए सेठानी घाट तक किया गया। सायकल रैली को अनुविभागीय अधिकारी श्री अदित्य रिछारिया द्वारा हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया गया। इस अवसर पर श्री रिछारिया ने छात्राओं से अपील की कि महात्मा गांधी एवं अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में अधिकृत साहित्य से ही जानकारी ले। क्योंकि कई जगह भ्रामक जानकारी भी दी जा रही है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने छात्राओं से स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में अधिक से अधिक अध्ययन करने एवं उनको सम्मान देते हुए स्वतंत्रता के 75वीं

वर्षगांठ पर होने वाले कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अरूण सिकरवार ने 12 मार्च 2021 से 5 अप्रैल 2021 तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर सायकल रैली प्रभारी डॉ. ज्योति जुनगरे एवं डॉ. हर्षा चचाने ने महाविद्यालय की छात्राओं कु. आराध्या तिवारी एवं कु. षिवानी मालवीय द्वारा खेल गतिविधियों में असाधारण उपलब्धी के बारे में जानकारी दी एवं उनका अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया।

सायकल रैली में एनसीसी, एनएसएस, योगा साइंस एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया तथा रैली के दौरान महात्मा गांधी एवं अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में नारे लगाए। रैली का समापन सेठानी पर किया गया। जहां दाड़ी यात्रा के प्रारंभ के समय होषंगाबाद के स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा नमक कानून का विरोध किया गया था। समापन अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी श्रीसुकुमार पगारे एवं श्रीमती सरस पगारे की पुत्रवधु महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. किरण पगारे द्वारा छात्राओं को उद्बोधन देते हुए उन्होंने कहां कि हम सभी शौभाग्यशाली हैं कि हम सभी स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं तथा गुलामी की अपमान जनक पीड़ा से हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की बदौलत बच सके हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अमिता जोषी ने भी संबोधित किया। अंत में आभार डॉ. अरूण सिकरवार द्वारा ज्ञापित किया गया।

दांडी यात्रा और महात्मा गांधी''शासकीय गृह विज्ञान के स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में दिनांक 18 मार्च 21 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ''दांडी यात्रा और महात्मा गांधी'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत'

दांडी यात्रा और महात्मा गांधी' विषय पर निबंध प्रतियोगिता

दीनबन्धु ■ होशंगाबाद

शासकीय गृह विज्ञान के स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में दिनांक 18 मार्च 21 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ''दांडी यात्रा और महात्मा गांधी'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 12 मार्च से प्रारंभ आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत लगभग एक पखवाड़े तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है ।यह प्रतियोगिताएं गांधीजी के जीवन, दर्शन

,विभिन्न आंदोलन एवं गांधी जी द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के विरोध के घटनाचक्र पर आधारित है। निबंध प्रतियोगिता में विज्ञान ,वाणिज्य एवं कला संकाय की लगभग 30 छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दांडी यात्रा ब्रिटिश हुकूमत की व्यापक सत्ता के विरुद्ध गांधीजी का एक अहिंसात्मक ,सविनय एवं गंभीर प्रभावशाली विरोध था । गांधी जी के आंदोलन हमें शिक्षा प्रदान करते हैं कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों ना हो हमें प्रयास अवश्य करना चाहिए।

12 मार्च से प्रारंभ आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत लगभग एक पखवाड़े तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है ।यह प्रतियोगिताएं गांधीजी के जीवन, दर्शन ,विभिन्न आंदोलन एवं गांधी जी द्वारा

ब्रिटिश साम्राज्य के विरोध के घटनाचक्र पर आधारित है। निबंध प्रतियोगिता में विज्ञान ,वाणिज्य एवं कला संकाय की लगभग 30 छात्राओं ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता में 30 छात्राओं ने लिखे निबंध

होम साइंस कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए छात्राएं। ● नवदुनिया

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) नवदुनिया प्रतिनिधि । शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में गुरुवार को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दांडी यात्रा और महात्मा गांधी विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एक सप्ताह से कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताएं की गईं।

यह प्रतियोगिताएं गांधीजी के जीवन दर्शन, विभिन्न आंदोलन एवं गांधी जी द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के विरोध के घटनाचक्र पर आधारित रही। निबंध प्रतियोगिता में विज्ञान,वाणिज्य एवं कला संकाय की लगभग 30 छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दांडी यात्रा ब्रिटिश हुकूमत की व्यापक सत्ता के विरुद्ध गांधीजी का एक अहिंसात्मक सविनय एवं गंभीर प्रभावशाली विरोध था। गांधी जी के आंदोलन हमें शिक्षा प्रदान करते हैं कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों ना हो हमें प्रयास अवश्य करना चाहिए।

आजादी के अमृत महोत्सव के संयोजक डॉ अरुण सिकरवार ने कहा कि गांधी जी का संपूर्ण जीवन प्रेरणास्पद है। हमें उनके गुणों को अपनाना चाहिए। निबंध प्रतियोगिता की संयोजक डॉ पुष्पा दुबे ने बताया कि गांधी दर्शन से हम अपने व्यक्तित्व को सुदृढ़ बना सकते हैं।

महाविद्यालय स्तर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पलक जैन,द्वितीय अंशिका गुप्ता, तृतीय प्रियंका गुप्ता रही। महाविद्यालय स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अगले स्तर पर जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे। यह प्रतियोगिता 22 मार्च को आयोजित की जाएगी।

प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सहभागिता करने वाली छात्राओं को प्राचार्य ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। इस प्रतियोगिता में डॉ अमिता जोशी, डॉ वर्षा चौधरी डॉ भारती दुबे, डॉ श्रुति गोखले डॉ कीर्ति दीक्षित, डॉ विजया देवासकर उपस्थित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के संयोजक डॉ अरुण सिकरवार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गांधी जी का

गृह विज्ञान महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

होशंगाबाद। शासकीय गृह विज्ञान के स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में गुरुवार को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ''दांडी यात्रा और महात्मा गांधी'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 12 मार्च से प्रारंभ आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत सम्पन्न एक पखवाड़े तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है तथा प्रतियोगिताएं गांधीजी के जीवन, दर्शन ,विभिन्न आंदोलन एवं गांधी जी द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के विरोध के घटनाचक्र पर आधारित है। निबंध प्रतियोगिता में विज्ञान ,वाणिज्य एवं कला संकाय की लगभग 30 छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दांडी यात्रा ब्रिटिश हुकूमत की व्यापक सत्ता के विरुद्ध गांधीजी का एक अहिंसात्मक ,सविनय एवं गंभीर प्रभावशाली विरोध था। गांधी जी के आंदोलन हमें शिक्षा प्रदान करते हैं कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों ना हो हमें प्रयास अवश्य करना चाहिए। आजादी के अमृत महोत्सव के संयोजक डॉ अरुण सिकरवार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गांधी जी का संपूर्ण जीवन प्रेरणास्पद है । हमें उनके गुणों को अपनाना चाहिए।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हुई निबंध प्रतियोगिता

संपूर्ण जीवन प्रेरणास्पद है । हमें उनके गुणों को अपनाना चाहिए ।निबंध प्रतियोगिता की संयोजक डॉ पुष्पा दुबे ने बताया कि गांधी दर्शन से हम अपने व्यक्तित्व को सुदृढ़ बना सकते हैं।

महाविद्यालय स्तर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कु. पलक जैन, द्वितीय अंशिका गुप्ता, तृतीय प्रियंका गुप्ता रही। महाविद्यालय स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अगले स्तर पर जिला स्तरीय निबंध

प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे। यह प्रतियोगिता 22 मार्च को आयोजित की जाएगी। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सहभागिता करने वाली छात्राओं को प्राचार्य ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन एवं गुमनाम सैनानी/नायक विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि युवा पीढी को अपने जिले के गुमनाम नायकों की जानकारी होना चाहिए जिससे वे समझ सके कि आजादी कितनी मुश्किलों से प्राप्त हुई है। होशंगाबाद के स्वतंत्रता सेनानियों की लिस्ट तैयार करें एवं उनके जीवनवृत्त को एकत्र करें।

इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. रामबाबू मेहर ने छात्राओं को बताया कि होशंगाबाद जिले से 300 से अधिक ऐसे स्वतंत्रता सैनानी है जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते है। उन्होने कई स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बताए जिनमें नंदकिशोर, नर्मदा प्रसाद, सुलतान खान, गुलजार सिंह, प्रभुनारायण तोमर, हरकचंद मेहतो, प्रेमदास, हीरालाल, लक्ष्मण सिंह, बाबूलाल ग्वाला, सोमदत्त, बलराम आदि शामिल है। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. पलक जैन, द्वितीय स्थान कु. सृष्टि जैन एवं तृतीय स्थान कु. प्रियंका यादव ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अरूण सिकरवार ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित नकारात्मक पोस्ट को वाट्एप्प फेसबुक आदि सोशल मीडिया पर प्रसारित ना करें तथा सभी स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहें। डॉ. किरण पगारे ने छात्राओं को होशंगाबाद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जानकारी दी। भाषण प्रतियोगिता में डॉ. श्रुति गोखले, डॉ. आशीष सिंह एवं डॉ. चन्द्रशेखर राज निर्णायक के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती दुबे एवं आभार डॉ. वर्षा चौधरी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. संध्या राय एवं श्रीमती अंकिता श्रीवास्तव, समरीन खान, श्रेष्ठिका राजपूत एवं कोमल राठौर सहित कुल 26 सदस्य उपस्थित रहें।

युवा पीढ़ी को अपने जिले के गुमनाम नायकों की जानकारी होना चाहिए : डॉ. कामिनी जैन

नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नवदुनिया प्रतिनिधि। शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन एवं गुमनाम सैनानी नायक विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने कहा कि युवा पीढ़ी को अपने जिले के गुमनाम नायकों की जानकारी होना चाहिए जिससे वे समझ सकें कि आजादी कितनी मुश्किलों से मिली है।

स्वतंत्रता सेनानियों की लिस्ट तैयार करें एवं उनके जीवनवृत्त को एकत्र करें। इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ रामबाबू मेहर ने छात्राओं को बताया कि जिले से 300 से अधिक ऐसे स्वतंत्रता सैनानी है जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

उन्होंने कई स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बताए जिनमें नंदकिशोर, नर्मदा प्रसाद, सुलतान खान, गुलजार सिंह, प्रभुनारायण तोमर, हरकचंद मेहतो, प्रेमदास, हीरालाल, लक्ष्मण सिंह, बाबूलाल ग्वाला, सोमदत्त, बलराम आदि शामिल हैं। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पलक जैन, द्वितीय स्थान सृष्टि जैन एवं तृतीय स्थान प्रियंका यादव ने प्राप्त किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ अरुण सिकरवार ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित नकारात्मक पोस्ट को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित ना करें। स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहें। डॉ किरण पगारे ने छात्राओं को होशंगाबाद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जानकारी दी।

भाषण प्रतियोगिता में डॉ श्रुति गोखले, डॉ आशीष सिंह एवं डॉ चंद्रशेखर राज निर्णायक के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ भारती दुबे एवं आभार डॉ वर्षा चौधरी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ संध्या राय एवं अंकिता श्रीवास्तव, समरीन खान, श्रेष्ठिका राजपूत एवं कोमल राठौर उपस्थित रहीं।

गृहविज्ञान महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हुई प्रतियोगिता। ● नवदुनिया

आयोजन

- **गुमनाम सैनानी नायक विषय पर हुई कॉलेज में भाषण प्रतियोगिता**
- **भाषण में पलक प्रथम, सृष्टि द्वितीय और प्रियंका तृतीय स्थान पर रहीं**

होमसाइंस कॉलेज में आजादी का अमृत महोत्सव

जिले के गुमनाम नायकों की जानकारी एकत्रित करें: डॉ जैन

प्रदेश दुबे संवाददाता, होशंगाबाद

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन एवं गुमनाम सैनानी/ नायक विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि युवा पीढ़ी को अपने जिले के गुमनाम नायकों की जानकारी होना चाहिए जिससे वे समझ सकेंकि आजादी कितनी मुश्किलों से प्राप्त हुई है। होशंगाबाद के स्वतंत्रता सेनानियों की लिस्ट तैयार करें एवं उनके जीवनवृत्त को एकत्र करें। इस अवसर पर इतिहास

छात्राओं को बताया कि जिले से 300 से अधिक ऐसे स्वतंत्रता सैनानी है जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते है। उन्होंने कई स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बताए जिनमें नंदकिशोर, नर्मदा प्रसाद, सुलतान खान, गुलजार सिंह, प्रभुनारायण तोमर, हरकचंद मेहतो, प्रेमदास, हीरालाल, लक्ष्मण सिंह, बाबूलाल ग्वाला, सोमदत्त, बलराम आदि शामिल है। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पलक जैन, द्वितीय स्थान सृष्टि जैन एवं तृतीय स्थान प्रियंका यादव ने प्राप्त किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अरुण सिकरवार ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित नकारात्मक पोस्ट को वाट्सएप्प फेसबुक आदि सोशल मीडिया पर प्रसारित ना करें तथा सभी स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहें।

डॉ. किरण पगारे ने छात्राओं को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जानकारी दी। भाषण प्रतियोगिता में डॉ. श्रुति गोखले, डॉ. आशीष सिंह एवं डॉ. चंद्रशेखर राज निर्णायक के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती दुबे एवं आभार डॉ. वर्षा चौधरी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. संध्या राय एवं अंकिता श्रीवास्तव, समरीन खान, श्रेष्ठिका राजपूत एवं कोमल राठौर उपस्थित रहीं।

दिनांक : 22.03.2021 जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन
(विषय : महात्मा गॉधी की स्वदेशी अवधारणा)

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर के 18 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के लगभग 50 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने किया। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए गांधी साहित्य अध्ययन हेतु प्रेरित किया। आज भी गांधी जी की शिक्षा हम सभी के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि स्थान कोई भी प्राप्त करके विश्वविद्यालय स्तर पर भागीदारी करें, परंतु समस्त विद्यार्थी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। उनके व्यक्तित्व पर गहरा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जो सच्चे अर्थों में हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति श्रद्धा सुमन होंगे।

इस कार्यक्रम के जिला समन्वयक डॉ अरुण सिकरवार ने कहा कि गांधीजी की लोकप्रियता देश में ही नहीं वरन विदेशों में भी एक समान है अपने उद्‌बोधन में विदेशी वैज्ञानिकों एवं विचारों के गांधी जी से संबंधित प्रश्न सूचक कथनों का उल्लेख किया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ पुष्पा दुबे ने आज के समय में गांधी जी के विचारों की सार्थकता को बताते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को न केवल याद किया बल्कि प्रतिभागियों को देश की आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा के प्रति कर्तव्य बोध कराया साथ ही इस प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी विद्यार्थियों को दी कार्यक्रम का सफल संचालन कर रही डॉ श्रुति गोखले ने इन पंक्तियों के द्वारा गांधीजी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रस्तुत की हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए। इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए निबंध प्रतियोगिता के निर्णायकों के रूप में डॉ. रामबाबू मेहर शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद डॉ. चंद्रशेखर राज शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद एवं डॉ मंजू मालवीय शासकीय महाविद्यालय सुखतवा ने निबंधों का परीक्षण कर परिणाम दिया।

जिला स्तर पर प्रथम स्थान पर इशिता मालवीय,शासकीय नर्मदा महाविद्यालय होशंगाबाद, द्वितीय स्थान पर पलक जैन, शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद एवं तृतीय स्थान पर रुचिका लोनारे, शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी रहे।

इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के टीम मैनेजर के रूप में डॉ. संतोष अहिरवार एमजीएम इटारसी, डॉ संजय आर्य शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी, डॉ मंजू मालवीय शासकीय महाविद्यालय सूखतवा, डॉ गिरिराज शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया, दीपाली जैन शासकीय महाविद्यालय पचमढ़ी, जया कैथवास शासकीय कुसुम महाविद्यालय सिवनी मालवा आदि अपने महाविद्यालय की टीम लेकर इस प्रतियोगिता में उपस्थित हुए। इस जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजन समिति के सदस्यों

के रूप में डॉ दशरथ मीना डॉ विजय देवासकर, आभा वाधवा, अंकिता तिवारी एवं अंकिता श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

अमृत महोत्सव के तहत हुई प्रतियोगिताएं, 68 प्रतिभागी शामिल हुए

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शिक्षा हम सभी के लिए प्रासंगिक : कामिनी जैन

आज भी गांधी जी की शिक्षा हम सभी के लिए प्रासंगिक है: डॉ कामिनी जैन